P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-6* ISSUE-7* (Part-2) March- 2019
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

संघ शासित प्रदेश दिल्ली में आम आदमी पार्टी का उद्‌भव, विकास एवं भूमिका

विकास भड़िया
सहा.आचार्य,
राजनीति विज्ञान विभाग,
सेठ ने.म.टि.राजकीय पी.जी. महिला महाविद्यालय, झुंझुनूं
राजस्थान, भारत

सारांश

सन् 2011 में इंडिया अगेंस्ट करप्शन नामक संगठन ने समाजसेवी अन्ना हजारे के नेतृत्व में हुए जन लोकपाल आंदोलन के दौरान भारतीय राजनीतिक दलों द्वारा जनहित की उपेक्षा के खिलाफ आवाज उठाई। समाजसेवी अन्ना हजारे भ्रष्टाचार विरोधी जनलोकपाल आंदोलन को राजनीति से अलग रखना चाहते थे जबकि अरविंद केजरीवाल और उनके सहयोगियों की यह राय थी कि पार्टी का गठन करके चुनाव लड़ा जाये। इसी उद्देश्य के तहत आम आदमी पार्टी के गठन की अधिकारिक घोषणा 26.11.2012 को भारतीय संविधान अधिनियम की 63 वीं वर्षगांठ के अवसर पर जतंर–मंतर दिल्ली में की गयी। आम आदमी पार्टी पहली बार दिसम्बर 2013 में दिल्ली विधानसभा चुनाव में झाड़ू चुनाव चिह्न के साथ चुनावी मैदान में उतरी और पार्टी ने विधान सभा चुनाव में 28 सीटों पर जीत दर्ज की और कांग्रेस के समर्थन से दिल्ली में सरकार बनायी।

मुख्य शब्द : जन लोकपाल आंदोलन, भ्रष्टाचार, अन्ना हजारे, अरविंद केजरीवाल, दिल्ली विधानसभा, झाड़ू, कांग्रेस, दिल्ली उपराज्यपाल, लोकसभा, पंजाब, चुनावी भागीदारी, राज्यसभा, स्वराज।

प्रस्तावना

भारतीय राजनीति के निर्धारक तत्वों का एक महत्वपूर्ण आयाम क्षेत्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दल हैं। सामान्यतः राज्य स्तरीय दलों को ही क्षेत्रीय दलों के रूप में सम्बोधित किया जाता है। ये किसी क्षेत्र विशेष में नहीं वरन् अलग–अलग राज्यों में प्रभावशाली हैं। भारतीय राजनीति में क्षेत्रीय दलों का वर्चस्व 1967 के चतुर्थ आम चुनावों के बाद निरंतर बढ़ा है। ये आमतौर पर राज्य स्तरीय राजनीति में सक्रिय किंतु गठबंधन सरकारों एवं त्रिशंकु ससंदों के दौर में राष्ट्रीय राजनीति में अपनी भूमिका का निर्वाह करते हैं। क्षेत्रीय दलों द्वारा राज्य के विशेष हितों को मुखर रूप से उठाना राज्य स्वायत्तता की मांग, केन्द्र राज्य सबंधों का पुर्ननिर्धारण, जाति, धर्म, उपसंस्कृति, क्षेत्र विशेष के हितों की पैरवी आदि मुद्दे उठाये जाते हैं। क्षेत्रीय एवं राज्य स्तरीय दलों का मुख्य आधार शक्तिशाली नेतृत्व रहा है। आम आदमी पार्टी के गठन का आधार इण्डिया अगेंस्ट करप्शन द्वारा अन्ना हजारे के नेतृत्व में चलाया गया जन लोकपाल आंदोलन एवमं अरविंद केजरीवाल द्वारा प्रदान किया कुशल नेतृत्व है जिसके आधार पर 26.11.2012 को आम आदमी पार्टी के गठन की दिल्ली में औपचारिक घोषणा की गयी।

अध्ययन का उद्देश्य

1. संघ शासित प्रदेश दिल्ली में आम आदमी पार्टी के उद्‌भव एवं विकास का पता लगाना।
2. उन कारणों का पता, लगाना जिससे कि पार्टी को इतने कम समय में लोकप्रियता प्राप्त हुयी।
3. आम आदमी पार्टी की दिल्ली में भूमिका का आकलन करना।

अध्ययन विधि

अध्ययन की विषय वस्तु को देखते हुए इस शोध कार्य में ऐतिहासिक, तुलनात्मक, विश्लेषणात्मक पद्धतियां प्रमुख हैं। जहां विभिन्न राजनीतिक दलों के उदय व उनके विकास के सबंध में ऐतिहासिक पृष्ठभुमि की जानकारी प्राप्त करने हेतु ऐतिहासिक पद्धति का प्रयोग किया गया है वहीं राजनीतिक दलों का भारतीय राजनीति पर प्रभाव जानने के लिए तुलनात्मक पद्धति का प्रयोग किया है। सभी स्रोतों के आधार पर विषय के सभी पक्षों पर प्रकाश ड़ालने के लिए विश्लेषणात्मक पद्धति का प्रयोग किया गया है।

भारतीय राजनीति में आम आदमी पार्टी का उद्‌भव, विकास एवं भूमिका

भारत में क्षेत्रीय दलों का विकास स्वतंत्रता के उपरांत हुआ। 1949 में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम दक्षिण भारत में तथा हिन्दू महासभा एवं अकाली दल जैसे क्षेत्रीय दल उतर भारत में उभरे लेकिन 1967 के चुनावों से पूर्व (चतुर्थ आम चुनावों) क्षेत्रीय दलों का प्रभाव नगण्य था। 1967 के चुनावों से पूर्व कांग्रेस से विद्रोह कर अनेक कांग्रेसजनों ने क्षेत्रीय दलों की स्थापना की। इनमें जन कांग्रेस, बंगला कांग्रेस, भारतीय क्रांति दल जैसे राजनीतिक दल प्रमुख थे। इन असंतुष्ट कांग्रेसियों ने कांग्रेस को पराजित करने की दृष्टि से विपक्षी दलों के साथ चुनावी गठबंधन कर सफलता प्राप्त की। प्रथम बार कांग्रेस के एक दलीय प्रभुत्व व्यवस्था को चुनौती प्रस्तुत हुयी। 1985 के उपरांत भारतीय राजनीतिक क्षितिज पर कुछ क्षेत्रीय दल प्रमुखता से सक्रिय भूमिका में सामने आये हैं, इन क्षेत्रीय राजनीति दलों में असम गण परिषद्, अकाली दल (लोगोवाल), अकाली दल (मान), सिक्किम संग्राम परिषद्, मिनो नेशनल फ्रंट, बहुजन समाजवादी पार्टी, आदि शामिल हैं। केन्द्रीय राजनीति में क्षेत्रीय दलों की भूमिका तब और अधिक स्पष्ट हुई जब 1989 में चौधरी देवीलाल ने कांग्रेस के विकल्प के रूप में गैर साम्यवादी दलों का संयुक्त गठबंधन राष्ट्रीय मोर्चा तथा 1996 में एच.डी. दैवगोड़ा को प्रधानमंत्री बनवाने में आंध्रप्रदेश में तेलगूदेशम (नायडू) के नेता चन्द्रबाबू नायडू ने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया। 1996 से ही क्षेत्रीय दलों की भूमिका एवं शक्ति में निरंतर वृद्धि हो रही है।

21वीं सदी तक आते–आते और भी राज्य स्तरीय दल उभरे। इन क्षेत्रीय दलों में आम आदमी पार्टी का उद्‌भव संघ शासित प्रदेश दिल्ली में हुआ। आम आदमी पार्टी के गठन की अधिकारिक घोषणा 26.11.2012 को भारतीय संविधान अधिनियम की 63वीं वर्षगांठ के अवसर पर जतंर–मंतर दिल्ली में की गयी। सन् 2011 में इण्डिया अगेंस्ट करप्शन नामक संगठन ने समाजसेवी अन्ना हजारे के नेतृत्व में हुए जन लोकपाल आंदोलन के दौरान भारतीय राजनीतिक दलों द्वारा जनहित की उपेक्षा के खिलाफ आवाज उठाई। समाजसेवी अन्ना हजारे भ्रष्टाचार विरोधी जनलोकपाल आंदोलन को राजनीति से अलग रखना चाहते थे जबकि अरविंद केजरीवाल और उनके सहयोगीयों की यह राय थी कि राजनीतिक दल बनाकर चुनाव लड़ा जाये। 19.09.2012 को समाजसेवी अन्ना हजारे और अरविंद केजरीवाल इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि उनके राजनीति में शामिल होने सबंधी मतभेदों का दूर होना मुश्किल है। अतः उन्होंने समान लक्ष्यों के बावजूद अपना रास्ता अलग करने का निश्चय किया।

जन लोकपाल आंदोलन से जुड़े मनीष सिसोदिया, प्रशांत भूषण व योगेन्द्र यादव आदि ने अरविंद केजरीवाल का साथ दिया जबकि किरण बेदी व संतोष हेगड़े आदि कुछ अन्य लोगों ने अन्ना हजारे से सहमति प्रकट की। इस प्रकार भारतीय संविधान की वर्षगांठ के दिवस पर 26 नवम्बर 2012 को औपचारिक रूप से आम आदमी पार्टी का गठन हुआ। अरविंद केजरीवाल ने 28.12. 2013 को दिल्ली के 7वें मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण की। 49 दिवस के पश्चात् 14 फरवरी 2014 को विधानसभा द्वारा जन लोकपाल विधेयक प्रस्तुत करने के प्रस्ताव को समर्थन न मिल पाने के कारण अरविंद केजरीवाल की सरकार ने त्याग–पत्र दे दिया।

दिल्ली चुनाव से पार्टी को कई विवादों का सामना करना पड़ा। भारत सरकार के गृहमंत्री सुशील कुमार शिंदे ने पार्टी के विदेशी दान की जाँच कराने की बात कही। आम आदमी पार्टी ने दान राशि का सम्पूर्ण ब्यौरा पार्टी वेबसाइट पर पहले से ही सार्वजनिक होने की बात कही और अन्य राज. दलों को भी अपने चंदे सार्वजनिक करने की बात कही।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के कुछ पहले एक मीडिया पोर्टल द्वारा आप आदमी पार्टी के विधायक पद के उम्मीदवारों का स्टिंग ऑपरेशन सामने आया जिसमें उन पर गैर–ईमानदार होने के आरोप लगाये गये। आम आदमी पार्टी ने एक प्रेस कांफ्रेस कर स्टिंग वीडियों में कई महत्वपूर्ण भागों को काट–छांट कर प्रस्तुत करने का आरोप लगाया और मीडिया पोर्टल के खिलाफ मानहानि की याचिका दायर की।

6 दिसम्बर को घोषित हुए परिणाम में 69 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा में पार्टी 26 सीटों पर विजयी रही। 32 विधानसभा क्षेत्रों की विजेता भारतीय जनता पार्टी के बाद यह दूसरी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। अरविंद केजरीवाल ने सतारूढ़ कांग्रेस पार्टी की निवर्तमान मुख्यमंत्री शीला दीक्षित (कांग्रेस) को लगभग 25,000 मतों से पराजित किया और कांग्रेस केवल 8 सीटों पर सिमट गयी।

दिल्ली के उप राज्यपाल नजीब जंग ने भाजपा द्वारा सरकार बनाने से मना करने के पश्चात् आम आदमी पार्टी विधायक दल के नेता अरविंद केजरीवाल को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया। 28 दिसम्बर को कांग्रेस के समर्थन से पार्टी ने दिल्ली में अपनी सरकार बनायी। अरविंद केजरीवाल सबसे कम उम्र के मुख्यमंत्री बने।

दिल्ली के उपराज्य पाल नजीब जंग के आमंत्रण पर दिल्ली के मतदाताओं की राय को लेकर 28 दिसम्बर 2013 को अरविंद केजरीवाल ने 8 मंत्रियों के साथ दिल्ली के रामलीला मैदान में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। सरकार बनाते ही पार्टी ने अपने घोषणा पत्र के वायदे पूर्ण करने शुरू किये।

विशेष सुरक्षा और लाल बत्ती वाली गाड़ी लेने से इन्कार किया 31 दिसम्बर को बिजली की कीमतों में अप्रैल तक आधे की छूट देने की घोषणा की, बिजली कंपनियों की सीएजी ऑडिट कराने की व्यवस्था की, बीस हजार लीटर पानी मुफ्त देने की घोषणा की। इस सरकार को केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस से अनेक मामलों पर अवरोध का सामना करना पड़ा। केजरीवाल सरकार ने 13 फरवरी से विधानसभा सत्र बुलाकर जनलोकपाल और स्वराज्य विधेयक पारित करने की घोषणा की। जनलोकपाल विधेयक मंत्रालय और उपराज्यपाल से टकराव की स्थिति पैदा हो गयी। दिल्ली के उपराज्यपाल नजीब जंग इसके लिए केंद्र सरकार की मंजूरी को आवश्यक बताते रहे, जबकि केजरीवाल सरकार

विधानसभा के विधेयक पास करने के संवैधानिक अधिकार पर डटी रहीं। 13 जनवरी को हंगामेदार सत्र के बाद 14 फरवरी के सत्र में उपराज्यपाल ने विधेयक को असंवैधानिक बताने का संदेश विधानसभा अध्यक्ष को भेजा और विधेयक पेश करने से पहले संदेश को सूचित करने को लिखा। इस संदेश के बाद कांग्रेस और भाजपा विधायकों ने विधेयक प्रस्तुत करने का मिलकर विरोध किया। जन लोकपाल बिल पास करना तो दूर उसे प्रस्तुत भी न होने के बाद अरविंद केजरीवाल ने 18 फरवरी को अपनी सरकार से इस्तीफा दे दिया। इस कारण दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाया गया।

आम आदमी पार्टी की चुनावी भागीदारी

आम आदमी पार्टी के गठन के पश्चात पार्टी ने अनेक विधानसभा व लोकसभा चुनावों के अन्तर्गत चुनाव लड़ा जिसका ब्यौरा इस प्रकार है–

दिल्ली विधानसभा चुनाव दिसम्बर 2013

पार्टी के गठन के पश्चात पार्टी ने पहली बार दिल्ली विधानसभा के लिए चुनाव लड़ा जिसमें 69 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा में पार्टी 26 सीटों पर विजयी रही। 32 विधानसभा क्षेत्रों की विजेता भारतीय जनता पार्टी के बाद यह दूसरी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी।

लोकसभा चुनाव 2014

आम आदमी पार्टी ने 16वीं लोकसभा चुनाव के अन्तर्गत 434 लोकसभा क्षेत्रों में चुनाव लड़ा जिसमें पार्टी को पंजाब से लोकसभा में 4 सीटों पर विजय प्राप्त हुयी और पार्टी को पंजाब में राज्य स्तरीय पार्टी का दर्जा प्राप्त हुआ। पार्टी को दिल्ली में 32.9 प्रतिशत मत लोकसभा चुनाव में प्राप्त हुये। लेकिन पार्टी दिल्ली में एक भी सीट नहीं जीत पायी।

दिल्ली विधानसभा चुनाव, 2015

2015 में दिल्ली के अन्तर्गत छठी विधानसभा चुनावों के अन्तर्गत पार्टी ने सभी 69 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव लड़ा। 7 फरवरी 2015 को भारत के चुनाव आयोग द्वारा घोषित परिणामों के अन्तर्गत पार्टी ने 70 में से 67 सीटों पर जीत दर्ज की। 3 सीटें भारतीय जनता पार्टी को प्राप्त हुयी।

गोवा विधानसभा चुनाव, 2017

आम आदमी पार्टी ने 2017 में गोवा विधानसभा चुनाव 2017 में अपने उम्मीदवार खड़े किये। गोवा विधानसभा चुनाव में पार्टी ने 39 उम्मीदवार चुनाव में उतारे इसमें से 38 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हुयी।

पंजाब विधानसभा चुनाव, 2017

आम आदमी पार्टी ने पंजाब विधानसभा चुनाव 2017 में पंजाब की लोक इंसाफ पार्टी के साथ मिलकर गठबंधन किया जिसको आप गठबंधन के नाम से जाना गया। इसके अन्तर्गत पार्टी के कुल 22 सीटों पर चुनाव में जीत दर्ज की। इसमें लोक इंसाफ पार्टी को 02 व आम आदमी पार्टी को 20 सीटों पर जीत दर्ज की।

लोकसभा चुनाव 2019

पार्टी ने 2019 में 17वीं लोकसभा के अन्तर्गत सम्पूर्ण भारत में विभिन्न राज्यों में 43 लोकसभा क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारे। इसमें बिहार में 4 सीटों पर, चण्डीगढ़ में 01, दिल्ली में 07, हरियाणा में 03 सीटों पर, 7 सीटों पर जननायक जनता पार्टी के साथ हरियाणा में गठबंधन, गोवा में 02, पंजाब में 13, उत्तरप्रदेश में 04, अंडमान निकोबार में 01 उम्मीदवार खड़े किये। इसमें से पार्टी ने केवल संगरूर लोकसभा क्षेत्र (पंजाब) में एक सीट पर जीत दर्ज की।

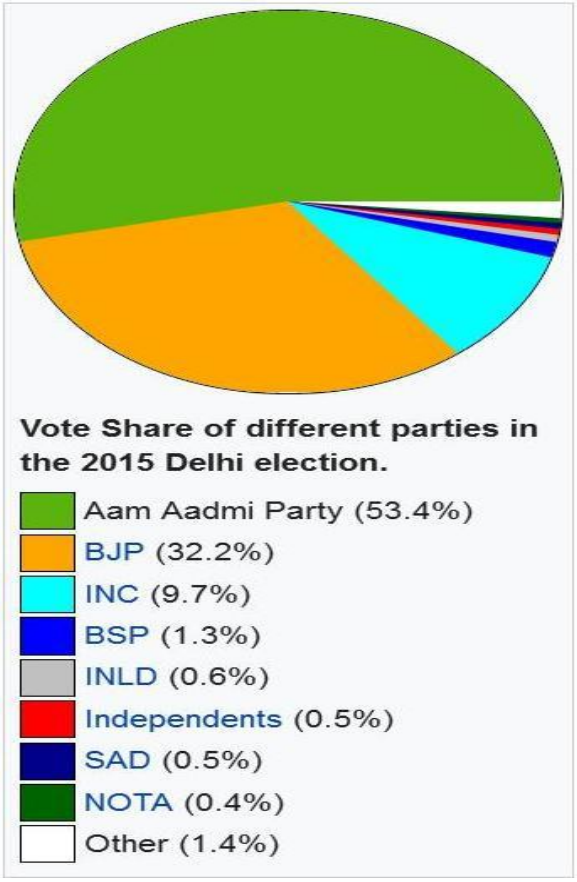

राज्य सभा

वर्तमान समय में पार्टी के पास संसद के उच्च सदन राज्य सभा में 03 सीटें है।

विभिन्न विधानसभा चुनावों में पार्टी की भागीदारी

दिल्ली विधान सभा चुनाव

चुनावी वर्ष	प्राप्त कुल मत	प्राप्त कुल मत	सीटों पर चुनाव लड़ा	सीटों पर चुनाव जीता
2013	2322330	29.49	69	28 / 69
2015	4838397	54.3	69	67 / 69

पंजाब विधान सभा चुनाव

चुनावी वर्ष	प्राप्त कुल मत	प्राप्त कुल मत	सीटों पर चुनाव लड़ा	सीटों पर चुनाव जीता
2017	3662665	23.7	112	20 / 117

गोवा विधान सभा चुनाव

चुनावी वर्ष	प्राप्त कुल मत	प्राप्त कुल मत	सीटों पर चुनाव लड़ा	सीटों पर चुनाव जीता
2017	57420	6.3	39	0 / 40

मेघालय विधान सभा चुनाव

चुनावी वर्ष	प्राप्त कुल मत	प्राप्त कुल मत	सीटों पर चुनाव लड़ा	सीटों पर चुनाव जीता
2018	1410	0.09	6	0/60

नागालैंड विधान सभा चुनाव

चुनावी वर्ष	प्राप्त कुल मत	प्राप्त कुल मत	सीटों पर चुनाव लड़ा	सीटों पर चुनाव जीता
2018	7491	0.75	3	0/60

कर्नाटक विधान सभा चुनाव

चुनावी वर्ष	प्राप्त कुल मत	प्राप्त कुल मत	सीटों पर चुनाव लड़ा	सीटों पर चुनाव जीता
2018	23468	0.06	28	0/224

छतीसगढ़ विधान सभा चुनाव

चुनावी वर्ष	प्राप्त कुल मत	प्राप्त कुल मत	सीटों पर चुनाव लड़ा	सीटों पर चुनाव जीता
2018	123525	0.87	85	0/90

मध्यप्रदेश विधान सभा चुनाव

चुनावी वर्ष	प्राप्त कुल मत	प्राप्त कुल मत	सीटों पर चुनाव लड़ा	सीटों पर चुनाव जीता
2018	253106	0.66	208	0/230

राजस्थान विधान सभा चुनाव

चुनावी वर्ष	प्राप्त कुल मत	प्राप्त कुल मत	सीटों पर चुनाव लड़ा	सीटों पर चुनाव जीता
2018	136345	0.38	142	0/200

तेलंगाना विधान सभा चुनाव

चुनावी वर्ष	प्राप्त कुल मत	प्राप्त कुल मत	सीटों पर चुनाव लड़ा	सीटों पर चुनाव जीता
2018	13134	0.06	41	0/119

स्रोत : भारत निर्वाचन आयोग की वेब साईट

आम आदमी पार्टी की विचारधारा

आम आदमी पार्टी कहती है कि वह किसी विशेष विचारधारा द्वारा निर्देशित नहीं है। उन्होंने व्यवस्था में बदलाव लाने के लिए राजनीति में प्रवेश किया है। अरविंद केजरीवाल के स्वयं के शब्दों में "हम आम आदमी हैं। अगर वामपंथी विचारधारा में हमारे समाधान मिल जायें तो हमे वहाँ से विचार उधार ले लेगें और अगर दक्षिण पंथी विचारधारा में हमारे समाधान मिल जायें तो हम वहाँ से भी विचार उधार लेने में खुश है। मुख्य रूप से पार्टी की विचारधारा स्वराज है।

आम आदमी पार्टी की विंग

आम आदमी पार्टी की विद्यार्थी, महिला, युवाओं, श्रमिकों के क्षेत्र में विंग कार्यरत हैं।

क्र.सं.	विंग का नाम	क्षेत्र
1.	छात्र युवा संघर्ष समिति (सी.वाई.एस.एस.)	विद्यार्थी छात्र विंग
2.	आप महिला शक्ति (ए. एम.एस.)	महिला विंग
3.	श्रमिक विकास संगठन (एस.वी.एस.)	श्रमिक विंग
4.	आप युथ विंग (ए.वाई. डब्ल्यु.)	युवा विंग

आम आदमी पार्टी के चुनावी घोषणा पत्र के अहम वादे

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने अपना चुनावी घोषणा पत्र जारी किया जिसमें प्रमुख योजनाएं इस प्रकार है :–

1. दिल्ली में जनलोकपाल बिल को पास करेंगें।
2. दिल्ली में महिला सुरक्षा के लिए 10 से 15 लाख सीसीटीवी कैमरा लगेंगें।
3. 20 हजार लीटर पानी मुफ्त देंगे।
4. दिल्ली में 47 फास्ट ट्रैक खोले जाएंगे जिसके अंतर्गत दोषियों को 3 से 6 महीनों में सजा दिलायी जायेगी।
5. बिजली की दरों को आधा करेंगे, जनता को 24 घंटे बिजली उपलब्ध करायेंगे।
6. होमगार्ड की सेवाओं को पक्का करके उन्हें महिला सुरक्षा के काम में लगाएंगे।
7. सफाई कर्मचारियों के पदों पर अनुबंध व्यवस्था खत्म की जायेगी। मौजूदा कर्मचारियों को नियमित किया जायेगा।
8. केंद्र सरकार से बात करके दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलवाया जायेगा।
9. दिल्ली में किसानों को सब्सिडी प्रदान की जायेगी।
10. सम्पूर्ण दिल्ली को वाई–फाई से लैस किया जायेगा।
11. दिल्ली में बिजली कंपनियों को रेगुलेट किया जायेगा।
12. 5 साल में दिल्ली में प्रत्येक घर में पानी की सप्लाई देगें।
13. सरकारी डॉक्टरों को सुरक्षा मुहैया करायी जायेगी।
14. दिल्ली में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए ई–रिक्शा चलाये जायेंगे।
15. दिल्ली में 500 नये सरकारी स्कूल खोले जायेंगे।
16. दिल्ली में 2 लाख टॉयलेट बनाए जायेंगें, स्लम में 1. 5 लाख और जेजे क्लस्टर में 50 हजार टॉयलेट बनाये जायेंगे।
17. गांवों के समुचित विकास किये जायेंगें।
18. यमुना नदी को साफ और सुंदर बनाया जायेगा।

आगामी विधानसभा चुनाव 2020

चुनावी कैंपेन आप का रिपोर्ट कार्ड 24 दिसम्बर 2019 को लांच

आम आदमी पार्टी ने 24 दिसम्बर 2019 को आम आदमी पार्टी मुख्यालय पर औपचारिक तौर पर 2020 विधानसभा चुनाव कैंपेन को लांच किया पार्टी ने " अच्छे बीते 5 साल, लगे रहो केजरीवाल" के नारे के साथ

विधानसभा चुनाव का बिगुल फूंक दिया है। अब पार्टी इस नारे के साथ सभी 69 विधानसभा क्षेत्रों में पदयात्रा करेगी। इस नारे को जन–जन तक पहुंचाया जायेगा। पार्टी कार्यालय पर उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने चुनाव कैम्पेन का स्लोगन लांच करने के दौरान कहा कि जब हम जनता के बीच जा रहे हैं, तो हर तरफ से यही कहा जा रहा है कि पांच साल बहुत अच्छे बीते। पांच वर्षों में शिक्षा का स्तर सुधरा, प्राइवेट स्कूलों की फीस नहीं बढ़ी, पांच वर्षों में 24 घंटे बिजली जनता को उपलब्ध हुयी, जिस इलाकों में लोग टैंकर माफिया कि बीच पिस रहे थे। पांच सालों में उन से आजादी मिल गई, बिजली को सस्ती दर पर उपलब्ध करवाया गया, डोर स्टेप डिलीवरी, बुजुर्गों की तीर्थ यात्रा से लेकर मोहल्ला क्लीनिक तक के काम के काम को देखकर लोग कह रहें है। कि पांच साल अच्छा बीता है।

मनीष सिसोदिया ने कहा कि ऐसा बहुत कम होता है कि पांच साल की सरकार के बाद कोई नेता या मंत्री जनता के बीच जाए और चुनाव से ठीक पहले जाकर जनता से पूछे कि आप बताओ कि हमने क्या–क्या काम किए।

मनीष सिसोदिया ने कहा कि पार्टी ने "अच्छे बीते पांच साल, लगे रहो केजरीवाल" कैंपेन के तहत 69 विधानसभाओं में 21 व 22 दिसम्बर को पैदल यात्रा निकालकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 24 दिसम्बर 2019 को सरकार के पांच साल के काम का रिपोर्ट कार्ड लॉच किया 25 दिसम्बर से आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता उस रिपोर्ट कार्ड को लेकर घर–घर जाऐंगे।

राज्यसभा सासंद संजय सिंह ने कहा है कि केजरीवाल सरकार के कामों की चर्चा विदेशों तक हो रही हैं।

गत 5 साल के अन्दर आम आदमी पार्टी द्वारा किये गये उल्लेखनीय कार्य

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने 24 दिसम्बर 2019 को आम आदमी पार्टी मुख्यालय पर अपनी सरकार के कामकाज का रिपोर्ट यानी आम आदमी पार्टी का रिपोर्ट कार्ड जारी किया। मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने इस रिपोर्ट कार्ड के जरिये आम आदमी पार्टी सरकार की 10 क्षेत्रों में सबसे बड़ी उपलब्धियों को लोगों के समक्ष रखा जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, बजट, महिलाओं को सुरक्षा व सम्मान, कच्ची कॉलोनियों, सार्वजनिक यातायात, जनहित योजनाएं और नए दौर की सुविधाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सबसे अधिक कार्य शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में हुआ। सी.एम. ने कहा केन्द्र सरकार ने हमारा 5 साल का ऑडिट कराया केन्द्र सरकार को उनके खिलाफ कुछ नहीं मिला। सी.ए.जी. ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि दिल्ली सरकार देश की पहली सरकार है जो मुनाफे में है। 8 हजार करोड़ रुपये कॉलोनियों के विकास हेतु खर्च किये।

आम आदमी पार्टी का रिपोर्ट कार्ड

सबको मिली अच्छी शिक्षा

शिक्षा बजट किया तिगुना– 6,600 करोड़ से बढ़कर अब 15,600 करोड़। 20,000 से ज्यादा नए क्लासरूम, पहली बार सरकारी स्कूलों का रिजल्ट प्राइवेट स्कूलों से बेहतर। 2019 में 12वीं के प्राइवेट स्कूलों के 93 प्रतिशत की तुलना में सरकारी स्कूलों में 96.2 प्रतिशत रिजल्ट, प्राइवेट स्कूलों की फीस वृद्धि पर कसी नकेल, 2015 से ज्यादातर प्राइवेट स्कूलों में नहीं बढ़ी फीस।

हर इंसान को बेहतर इलाज

स्वास्थ्य पर बजट का 13 प्रतिशत खर्च करने वाला दिल्ली अकेला राज्य; बजट 3,500 करोड़ से बढ़कर 7,500 करोड़, जन–जन तक पहुँचाया मुफ्त इलाज, खोले 400 से ज्यादा मोहल्ला क्लीनिक और किया सरकारी अस्पतालों का कायाकल्प, डेंगू पीड़ितों की संख्या 2015 के 15,867 से घटकर 1,301 हुई, मरने वालों की संख्या 60 से घटकर शून्य हुई।

हर घर पहुँची सस्ती बिजली

हर घर में उपलब्ध कराई 24 घंटे बिजली, प्रत्येक उपभोक्ता को मिली 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, 31 लाख उपभोक्ताओं का बिल आया शून्य, 200 से 400 यूनिट तक बिजली का बिल आधा, 12 लाख उपभोक्ताओं को मिला सीधा लाभ।

घरों में पहुँचा नल का पानी

हर घर को प्रतिमाह 20 हजार लीटर मुफ्त पानी, 14 लाख से ज्यादा घरों का पानी का बिल हुआ शून्य, पाइप के जरिए पानी आपूर्ति 58 प्रतिशत से बढ़ाकर की 93 प्रतिशत; दिल्ली को मिला टैंकर माफियाओं से निजात, 1,554 कच्ची कॉलोनियों तक पहुँचाया पीने का पानी।

विकास की हुई तेज रफ्तार

दिल्ली का बजट हुआ दोगुना, 31,000 करोड़ से बढ़कर हुआ 60,000 करोड़, दिल्ली देश का अकेला राज्य जिसका बजट मुनाफे में (रेवेन्यू सरप्लस), दिल्ली में अब 69 प्रतिशत तक अधिक कमाते हैं श्रमिक; न्यूनतम मजदूरी 8,632 से बढ़ाकर की 14,842

महिलाओं को सुरक्षा और सम्मान

अपराध मुक्त दिल्ली के लिए लगाए 1.4 लाख सीसीटीवी कैमरे; 1.4 लाख और कैमरे लगाने की तैयारी, महिलाओं के लिए बस यात्रा फ्री; डीटीसी बसों में तैनात किए 13,000 बस मार्शल; 2 लाख नये स्ट्रीट लाइट्स लगना शुरू।

कच्ची कॉलोनियों का रखा ध्यान

8,000 करोड़ की लागत से कच्ची कॉलोनियों में किए विकास कार्य, 1797 कच्ची कॉलोनियों में से 1,281 कॉलोनियों में हुआ सड़क निर्माण, 1,130 कच्ची कॉलोनियों में बिछाई गई सीवरेज लाइनें।

बेहतर हुआ सार्वजनिक यातायात

डीटीसी के काफिले में 4,300 नई बसें हो रही हैं शामिल, मेट्रो का रूट 173 किमी. से बढ़कर 289 किमी. हुआ'; 'कॉमन मोबिलिटी कार्ड' से कैशलेस यात्रा आसान, ड्राइविंग लाइसेंस लेने में भ्रष्टाचार हुआ खत्म।

जनता की अपनी सरकार

डोर स्टेप डिलीवरी के जरिये पहली बार घर तक सीधे पहुँचाई सरकारी सेवाएं, 2.6 लाख से ज्यादा लोगों को मिला लाभ, 35 हजार बुजुर्गों को करवाई मुफ्त तीर्थ यात्रा, 'दिल्ली के फरिश्ते' योजना के तहत 3,000 से ज्यादा सड़क दुर्घटना के घायलों की बचाई जान।

नए दौर की सरकार

वाई–फाई हॉटस्पॉट लगवाने का काम शुरु, 6 महीने में लगेंगे 11,000 हॉटस्पॉट इंडिया टुडे के राज्य सर्वेक्षण 2019 में गवर्नेंस में छोटे राज्यों में नंबर 1 पर दिल्ली, नीति आयोग के इनोवेशन इंडेक्स में छोटे राज्यों में पहले पायदान पर दिल्ली।

निष्कर्ष

संघ शासित प्रदेश दिल्ली में आम आदमी पार्टी के उद्भव एवं विकास के लिए अनेक कारण उत्तरदायी थे जो शोध निष्कर्ष के रूप में उभर कर सामने आये हैं। यदि पार्टी के उद्भव का प्रारम्भिक कारण माना जाये तो वह है अन्ना हजारे व अरविंद केजरीवाल द्वारा भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए "जन लोकपाल बिल" लागू कराने हेतु चलाया गया आंदोलन, इसके अलावा दूसरे कारणों में जन लोकपाल बिल को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में लागू कराना व अन्य राजनीतिक दलों द्वारा इस बिल का विरोध करना जिससे की इस आंदोलन को लोकप्रियता प्राप्त हुयी।

गाँधीय दर्शन स्वराज को भी इस आंदोलन का आधार बनाया जाना। दिल्ली की जनता को स्वशासन व सु–शासन उपलब्ध कराने का वायदा करना। सत्ता में आते ही पानी व बिजली के बिलों को माफ करना के वायदे। पानी व बिजली कम्पनियों की सता में आते ही ऑडिट करवाने का वायदा, दिल्ली की जनता की समस्याओं के समाधान हेतु दिल्ली सरकार जनता दरबार लगवायेगी। ऑटो रिक्शा चालकों द्वारा ऑटों पर विज्ञापन करने की रोक को हटवाना, 2015 में जमीन अधिग्रहण बिल पर रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन करना ऐसे अनेक मुद्दे थे जिनको पार्टी ने आधार बनाया और सत्ता में आते ही इन वायदों को पूरा किया।

संदर्भ ग्रंथ सूची

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक बने केजरीवाल– नव भारत टाइम्स 26 नवम्बर 2012

केजरीवाल ने लांच की आम आदमी पार्टी, बीबीसी हिन्दी– 26 नवम्बर 2012

आम आदमी पार्टी घोषणा पत्र– जागरण 22 सितम्बर 2013

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल सबसे युवा मुख्यमंत्री– द फाइनेनिशियल एक्सप्रेस 25 दिसम्बर 2013

दिल्ली में राष्ट्रपति शासन : बीबीसी हिन्दी 14 फरवरी 2014

300 सीटों पर चुनाव लड़ेगी आप, हरियाणा पर टिकाई नजरे : जागरण 31 दिसम्बर 2013

आम आदमी पार्टी, 5 वर्ष रिपोर्ट कार्ड – 24 दिसम्बर, 2019

आम आदमी पार्टी – चुनावी घोषणा पत्र – दिसम्बर 2013 अमर उजाला।

गवर्नेंस में छोटे राज्यों में नम्बर 1 पर दिल्ली, नीति आयोग – इनोवेशन इंडेक्स रिपोर्ट इण्डिया टुडे का राज्य सर्वेक्षण 2019.

आम आदमी पार्टी, संविधान– 2012

डॉ. रूपा मंगलानी– भारतीय राज व्यवस्था, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर, सातवाँ संस्करण 2017, पृ.सं.– 451–452

डॉ. राठौड़ व मीना– भारत में राजनीतिक दल, आर.बी. एस.ए. पब्लिशर्स, जयपुर।

डॉ. गीता चतुर्वेदी – भारतीय राज व्यवस्था, पंचशील प्रकाशन, जयपुर चतुर्थ संस्करण, पृ.स. 376–77

डॉ. पुखराज जैन, डॉ. बी.एल. फड़िया – भारतीय शासन व राजनीति, साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, आगरा, 2012 पृ.स. 387

डॉ. पी.के. चड्डा भारतीय राज. व्यवस्था – आदर्श प्रकाशन, जयपुर 2000

डा0 संचिता सिंह– आम आदमी से आम आदमी पार्टी तक अरविन्द केजरीवाल, स्टेप बाई स्टेप पब्लिशर्स, नई दिल्ली

डॉ. पवित्र कुमार शर्मा– अन्ना हजारे, केजरीवाल और आम आदमी पार्टी, एम.एन. पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रिब्यूटर्स, नई दिल्ली 1 जनवरी 2014

Pran Kurup, Arvind Kajariwal and Aam Aadmi party, publication Bloom sbury India 2016

Gautm Clikermane, Soma Baneriee, The Dissupter Arvind Kejriwal and the audacious rise of the aam aadmi party, 03 april 2014

Arvind Mohan dwiried, Rajneesh roshan, Magnetic Personality : Arvind Kejriwal 11 February 2014

Saba Naqvi, Capital Conquest, 02 May 2015

Sree layer- The Rise and fall of AAP

Mayank Gandhi- AAP & Down : The rise & fall of the Aam Aadmi Party - 13 February 2018

समाचार पत्र एवं पत्रिकाएँ

1. *जन सत्ता*
2. *पंजाब केसरी*
3. *दैनिक भास्कर*
4. *दैनिक नवज्योति*
5. *राजस्थान पत्रिका*
6. *हिन्दुस्तान टाइम्स*
7. *द हिन्दु*
8. *इण्डियन एक्सप्रेस*
9. *परीक्षा मंथन*
10. *इण्डिया टुडे*
11. *आउट लुक*
12. *प्रतियोगिता दर्पण*
13. *क्रॉनिकल*
14. *एक्सेस रिव्यू*
15. *क्रॉनोलॉजी*
16. *चाणक्य*